

**मध्य प्रदेश में औषध संयंत्र का अभाव**

5744. श्री निर्मल चन्द्र जैन :

श्री लक्ष्मीनारायण नायक :

श्री भागीरथ भंवर :

श्री गोविन्द राम मिरी :

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :

पेट्रोलिएम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश भी देश के उन राज्यों में से एक है जहाँ सार्वजनिक क्षेत्र में एक भी औषध तथा रसायन संयंत्र नहीं है ;

(ख) यदि हां, इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार इस क्षेत्र में संयंत्र स्थापित करने के लिये कोई कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलिएम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) इस समय भिलाई स्टील संयंत्र में प्रति वर्ष 45,000 मी० टन की क्षमता के सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र के अलावा मध्य प्रदेश राज्य के केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र में कोई रसायन अथवा औषध संयंत्र नहीं है। कोरवा में कोयले पर आधारित उर्वरक प्रयोजना की पहले ही मंजूरी दी गई थी परन्तु इस प्रयोजना का कार्यान्वयन, रामागण्डम और तालचर में कोयले पर आधारित संयंत्रों के सफलतापूर्वक आरम्भ होने पर किया जाएगा ;

(ख) कच्चे माल आदि की उपलब्धता जैसे संबंधित पहलुओं के संदर्भ में तैयार किए हुए व्यवहार्य प्रस्तावों के न होने के अलावा कोई विशेष कारण नहीं है।

(ग) प्रत्येक राज्य में औषध सूत्र यांग एकक की स्थापना के लिए हाल ही में लिए गए निर्णय के अनुसरण में मध्य प्रदेश में भी ऐसे संयंत्र की स्थापना के लिए विचार किया जायेगा।

**More Accommodation and Facilities to Passengers at Delhi**

5745. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the railway stations of Delhi with the present accommodation and facilities, are not fit to cope with the increasing passenger traffic; and

(b) if so, what measures are proposed in the matter?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b). While it is true that the two main passenger terminals in Delhi, namely, Delhi Jn. and New Delhi, are working to capacity, certain steps have been taken to increase the terminal capacity for passenger traffic in Delhi area as indicated below:

(i) A subsidiary terminal has been opened at Hazrat Nizamuddin and at present 7 pairs of Mail/Express trains are being handled at this station. This has enabled introduction of certain additional trains from and across Delhi in the recent past.

(ii) Shifting of handling of coke, fruit and cement traffic from New Delhi station to Tughlakabad, Azadpur and Shakurbasti respectively. This would permit expansion of terminal facilities at New Delhi further.

(iii) Provision of additional island platform and allied terminal facilities at New Delhi—Phase I.

(iv) To meet the long term requirements of passenger traffic, the question of providing additional terminal facilities at Delhi Junction and also shifting of handling of the entire goods traffic from New Delhi to other suitable location to permit further expansion of New Delhi for handling of passenger traffic is also under consideration.